T.D.C. part I , Psy (Hons)
Paper - II Psychopathology

Psychotheraphy

Page No.:
Date: / /

मानसिक रूप से अस्वस्थ्य अथवा संवेगात्मक विकृति से पीड़ित रोगियों की चिकित्सा हेतु जिस प्रविधि का उपयोग किया जाता है इसे psychotherapy कहते हैं। psychoneuroses से पीड़ित रोगियों के ~~लिए~~ उपचार के लिए इस ~~therap~~ theraphy का उपयोग किया जाता है लेकिन psychosis से पीड़ित रोगियों के उपचार के लिए psychotheraphy के अतिरिक्त अन्य विधियों जैसे electric shock theraphy, Insulin theraphy, drug or chemical theraphy इत्यादि का भी उपयोग किया जाता है।

According to page :- "मनोवैज्ञानिक प्रविधियों द्वारा व्यक्तित्व-संबंधी विकृतियों की चिकित्सा को ~~the~~ psychotheraphy की संज्ञा दी जाती है।

According to Strange - "psychotheraphy से तात्पर्य उन मनोवैज्ञानिक तरीकों से है जिनका उपयोग व्यक्तित्व एवं संवेग संबंधी विकृतियों की चिकित्सा हेतु किया जाता है।"

Scanned with CamScanner

Page No.:
Date: / /

उपर्युक्त परिभाषाओं के विश्लेषण से निम्नलिखित बातें स्पष्ट होती हैं।

1. Psychotherapy द्वारा मानसिक रूप से पीड़ित रोगियों का उपचार किया जाता है।

2. Psychotherapy की प्रविधियों द्वारा व्यक्तित्व एवं संवेग संबंधी उपद्रवों को कम या दूर करने का प्रयास किया जाता है।

3. ये प्रविधियाँ मनोवैज्ञानिक स्वरूप की होती हैं।

Psychotherapy की प्रक्रिया का प्रारम्भ therapist और Patient के बीच पारस्परिक वार्तालाप द्वारा होता है। इस प्रकार चिकित्सक और रोगी के बीच एक प्रकार का संबंध विकसित होता है, जिसके फलस्वरूप रोगी चिकित्सक की सलाह, संकेत एवम् उसकी बातों को मानने लगता है। जिससे रोगी में आत्मविश्वास एवम् दूसरों के प्रति आस्था के भाव का विकास होता है, जो उपचार के लिए विशेष महत्व रखता है। इन आस्थाओं के कारण रोगी को अपना

Scanned with CamScanner

व्यक्तित्व सबल बनाने, अपनी समस्याओं को सुलझाने और वातावरण के साथ - अभियोजन स्थापित करने में पर्याप्त सहायता मिलती है।

Aims of Psychotherapy

1- रोगी में उसकी समस्याओं और व्यवहार की विकृति की सूझ बढ़ाना।
2- रोगी में मानसिक संघर्ष का ~~समाधान~~ समाधान करने की क्षमता को बढ़ाना।
3- अवांछित आदतों और प्रतिक्रिया प्रणाली से मुक्त करने हेतु रोगी के व्यवहार में आवश्यक परिमार्जन लाना।
4- रोगी के पारस्परिक संबंधों एवं अन्य क्षमताओं में सुधार लाना।
5- रोगी के स्वयं और उसके आसपास के वातावरण के संबंध में मिथ्या विचारों अथवा मान्यताओं को परिमार्जित करना।
6- रोगी को वातावरण की वास्तविकताओं के साथ अच्छी तरह समायोजन करने योग्य बनाना।
7- आत्मबोध को सुस्पष्ट करना।

Psycho-analysis Method

Psycho analytic treatment के जन्मदाता Dr Sigmund Freud है चिकित्सा की इस विधि का मूल उद्देश्य रोगी के अचेतन मन में दमित स्मृतियों के अनुभवों, प्रेरणाओं बाल्यावस्था की मनोलैंगिक इच्छाओं एवं मानसिक संघर्षों को कुरेद कर चेतन - स्तर पर लाना होता है।

इस विधि का नाम मनोविश्लेषण विधि है जिसका अर्थ मानसिक विचारों का विश्लेषण करना होता है मनोविश्लेषण की प्रक्रिया नियमित रूप लम्बी अवधि तक चलाई जाती है। रोगी को सुखद एवं आरामदेह स्थिति में स्वतन्त्रतापूर्वक अपने मानसिक विचारों, प्रवाहों आदि को निःसंकोच प्रकट करने को कहा जाता है। इस प्रकार रोगी स्वतन्त्रतापूर्वक अपने विगत जीवन के विभिन्न अनुभवों की दुनिया में विचरण करता है इसे free association कहते हैं, अर्थात रोगी अपने जीवन के गत अनुभवों के साथ मानसिक रूप से स्वतन्त्रतापूर्वक साहचर्य स्थापित करता है।

Psychoanalysis Method की सम्पूर्ण प्रक्रिया के निम्नलिखित अवस्थाएं होती हैं।

1- Preliminary stage
2- Stage of Resistance
3- Analysis of dreams
4- Stage of transference
5- Stage of termination

1- Preliminary stage - रोगी की वास्तविक चिकित्सा प्रारम्भ करने से पहले चिकित्सक दो-तीन बार रोगी के साथ प्रारंभिक वार्तालाप द्वारा यह सुनिश्चित कर लेता है कि इस विधि द्वारा रोगी की चिकित्सा कहाँ तक संभव हो सकेगी इसके लिए रोगी को साक्षात्कार के लिए बुलाया जाता है और उसके विकृत लक्षणों का विवरण तैयार किया जाता है. साथ चिकित्सा में लगने वाले expenditure के बारे में भी रोगी को बतलाया जाता है। इस प्रारंभिक वार्तालाप के बाद ~~रोगियों~~ जिन रोगियों को इस विधि द्वारा चिकित्सा हेतु चुना जाता है उन्हें एक निश्चित स्थान और समय पर नियमित रूप से आने का निर्देश दिया जाता है।

तक वास्तविक चिकित्सा की प्रक्रिया प्रारम्भ की जाती है। मनोविश्लेषण के लिए जिस कक्ष का उपयोग किया जाता है उसे Semi-dark रखा जाता है ताकि रोगी का ध्यान विचलित न हो कमरे में कम से कम आवश्यक समान रखे जाते हैं उस कमरे में एक आरामदेह कोच होता है जिस पर रोगी को लिटाया जाता है तथा चिकित्सक रोगी के नजर से ओझल हो जाता है वह रोगी के पीठ पीछे इस प्रकार बैठता है जिससे वह रोगी का निरीक्षण कर सके परन्तु रोगी चिकित्सक को न देख सके इस तैयारी में चिकित्सक रोगी के साथ स्नेह और सहानुभूति से पेश आता है जिससे रोगी चिकित्सक के साथ आत्मीयता अनुभव करने लगे और चिकित्सक के instruction पर अपने विचारों को निःसंकोच प्रकट सके। चाहे वो विचार निरर्थक हो सार्थक हो, नैतिक हो या अनैतिक हो, चिकित्सक उन विचारों को बहुत ध्यान से सुनता है और यदि कुछ कहने में हिचकिचाहट हो तो चिकित्सक उसकी सहायता करता है। चिकित्सा की इस प्रविधि को ही

free association tech. कहते हैं।

2- Stage of Resistance Free association की इस अवस्था में आती है जब रोगी अपने मन के आपत्तिजनक विचारों और अनुभवों को व्यक्त करना नहीं चाहता है और वह एकाएक चुप हो जाता है इस अवस्था को ही stage of Resistance कहते हैं इस stage का इस therapy बहुत महत्व होता है। इस stage में चिकित्सक रोगी के साथ आत्मीयता बढ़ाता है और यह विश्वास दिलाता है कि वह किसी प्रकार का शर्म, भय या असमंजस में न पड़े और बिना संकोच अपने विचारों को प्रकट करें। Therapy के दृष्टिकोण से stage of Resistance की अवस्था को पहचान एवं गहन विश्लेषण रोगी के व्यक्तित्व-परिवर्तन के लिए विशेष महत्व रखता है क्योंकि इन प्रतिरोधों को गहराई से समझने भावों एवं इच्छाओं की पहचान करने में ~~रोगी~~ चिकित्सक को मदद मिलती है।

Page No.:
Date: / /

3- Analysis of Dream - Psycho-analytic theory के अनुसार dream id and ego के बीच का एक समझौता है जिसमें id की अतृप्त इच्छाओं की ~~पूर्ति~~ पूर्ति प्रतीकात्मक रूप से होती है Dream work के कारण व्यक्ति को अपने dreams में involved इच्छाओं का ज्ञान नहीं होता है क्योंकि विभिन्न dream Mechnisms ~~द्वारा~~ (स्वप्न रचनाओं) द्वारा स्वप्न का वास्तविक विषय का रूप परिवर्तित हो जाता है। Free Association की प्रक्रिया में रोगी जिन dreams के Manifest content को कहता है इनके प्रतीकों का अर्थ विश्लेषक स्पष्ट करता है तथा रोगी ~~को~~ इसका बोध कराता है।

4- Stage of Transference - यह एक प्रकार का संवेगात्मक संबंध है जो मनोविश्लेषणात्मक प्रक्रिया काल में रोगी और विश्लेषक के बीच विकसित ~~होती~~ होता है रोगी को बाल्यावस्था में पारिवारिक सदस्यों अथवा शिक्षक के प्रति विकसित घृणा के भाव अथवा प्रेम-स्नेह

प्रवृत्तियाँ आदि ~~analysist~~ analyst के प्रति स्थानान्तरित हो जाती हैं इस अवस्था में रोगी की प्रतिक्रियाएँ विश्लेषक के प्रति भावात्मक स्वरूप की हो जाती हैं। रोगी विश्लेषक को ही अपने घृणा और प्रेम का पात्र मान बैठता है और अचेतन में दमित emotional and affective impulses का प्रदर्शन करने लगता है।

Transference के दो aspect होते हैं एक positive और दूसरा Negative

Stage of termination –

मनोविश्लेषण ~~क~~ की अवधि में रोगी और चिकित्सक के बीच गहरा संबंध स्थापित हो जाता है जिसका फायदा उठाते हुए चिकित्सक रोगी के लक्षणों को ~~[illegible]~~। दूर करने का प्रयत्न करता है लक्षणों को दूर किया जा सके तो इसके लिए आवश्यक है कि रोगी में insight का विकास हो जिससे वह लक्षणों के अचेतन कारणों को समझ सके जिससे इनके लक्षणों का निराकरण हो सके। रोगी में insight का विकास

हो जाने के बाद चिकित्सक रोगी से संबंध - विच्छेद करने का प्रयत्न करता है लेकिन इस कार्य में चिकित्सक को सचेत रहना पड़ता है। संबंध विच्छेद में शीघ्रता करने पर रोगी कभी - कभी नए लक्षणों को प्रकट करने लगता है। इसलिए संबंध विच्छेद की अवस्था लम्बी रखी जाती है और यह धीरे - धीरे किया जाता है। इस बीच में रोगी के व्यक्तित्व का ~~पुनः~~ पुनर्निर्माण होता है जिससे रोगी का वास्तविकता के साथ संबंध - स्थापित होने लगता है।

Evaluation of Psychoanalysis

गुण 1 — इस विधि द्वारा मानसिक रोगों का निराकरण जड़ से किया जाता है। इस विधि द्वारा रोगी के लक्षणों के कारणों का पता लगाकर चिकित्सा की जाती है।

2 — इस विधि द्वारा रोगी को स्थायी लाभ मिलता है।

अवगुण

इस विधि की उपयोगिता बहुत ही सीमित है क्योंकि इसके द्वारा बच्चे अथवा बूढ़े रोगियों का मनोविश्लेषण करना संभव नहीं होता है

Page No.:
Date: / /

2 – इस विधि द्वारा psychotic patient का इलाज संभव नहीं है।

3 – इस विधि में समय और खर्च भी अधिक लगता है।

4 – इस विधि का संचालन केवल trained और efficient चिकित्सकों द्वारा हो सकता है।

5 – इस विधि का प्रयोग करने से पहले चिकित्सक को स्वयं अपना मनोविश्लेषण करा लेना आवश्यक होता है ऐसा न होने पर कभी-कभी हानिकारक सिद्ध होती है।

अतः इस प्रकार यह स्पष्ट है कि ~~कि~~ कि इस विधि का सबसे अधिक महत्व मानसिक रोगियों के संबंध में किए जानेवाले अनुसंधानों के लिए है। इन अनुसंधानों के फलस्वरूप आज नई-नई मानसिक विचारधाराएँ जन्म ले रही हैं तथा इनकी चिकित्सा के लिए नई विधियों का आविष्कार हो रहा है। ~~इ~~ इस प्रकार मानसिक चिकित्सा की प्रगति में इसका महत्वपूर्ण योगदान है।

Scanned with CamScanner